लोकमत बुधवार, दि. १८ मार्च २०१५

महात्मा गांधी हिंदी विद्यापीठ

वर्धा : ग्रामीण विकासाकरित ग्रामोपयोगी विज्ञान केंद्राने निर्माण केलेल्या तंत्रज्ञानाचा उपयोग झाला पाहिजे. हे तंत्रज्ञान लोकांपर्यंत पोहचविण्यासाठी त्याचा शालेय अभ्यासाक्रमात समावेश करण्याची गरज कुलगुरु प्रआ. गिरीश्वर मिश्र यांनी व्यक्त केली. ग्रामपयोगी विज्ञान केंद्र दत्तपूर व विविध संस्थाच्या सहभागाने आयोजित कार्यक्रमात ते प्रमुख पाहुणे म्हणून बोलत होते. यावेळी अध्यक्षस्थानी भरत महोयदय, प्रा. निशिकांत मुखर्जी, अनिल फरसोले, प्रा. मेहर, केंद्राचे कार्यकारी संचालक डॉ. सोहम पंड्या, रत्ना पंड्या, उमाशंकर भारती, बी.एस.मिरगे यांच्यासह केंद्राचे पदाधिकारी प्रामुख्याने उपस्थित होते. यावेळी धनंजय भट, दिनकर काळे, अंबादास कोंबे, विवेक सोनटक्के, अर्चना परसोडकर, अशोक पाठे, रघाटाटे यांनी उपस्थित विद्यार्थ्यांना कार्यशैलीची माहिती दिली. संचालन डॉ. पंड्या यांनी केले तर आभार अशोक पाठे यांनी मानले.

दैनिक भास्कर

गुरुवार, 5 मार्च 2015

हिंदी विवि को 'ए' ग्रेड

» विवि की उपलब्धि में जुड़ा एक और अध्याय

ब्यूरो | वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि वर्धा ने अपनी उपलब्धि का एक और नया कीर्तिमान स्थापित किया है। भारत में हिंदी भाषा का विकास और संवर्धन के लिए स्थापित इस केंद्रीय विवि को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ने ए ग्रेड प्रदान किया है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय शेष | पेज 16 पर

हिंदी विवि ...

और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सभी विवि के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा मूल्यांकन एवं प्रत्यायन अनिवार्य कर दिया है जिसके तहत विवि के मूल्यांकन हेतु नैक की पीयर टीम ने 23 से26 फरवरी को विवि के सभी पहलुओं का अवलोकन किया। वि के अकादमिक स्तर, शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध की उपलब्धियां, शिक्षकों का उन्नयन और ढांचागत सुविधाएं आदि को देखते हुए नैक ने विवि को ए ग्रेड प्रदान किया। देश के जाने-माने विद्वान शिक्षाविद प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी की अध्यक्षता में प्रो. अवधेश प्रधान, प्रो. गोविंद प्रसाद, प्रो. उषा रानी नारायण, प्रो. सुशील कुमार शर्मा एवं नैक, बंगलौर के समन्वयक डा. गणेश हेगडे ने विवि की सभी विद्यापीठो यथा भाषा, साहित्य, अनुवाद एवं निर्वचन, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान तथा शिक्षा विद्यापीठ के साथ समस्त प्रशासनीक विभागों, प्रकोष्ठों आदि की कार्यप्रणाली का नैक के मानदंडों के अनुरुप निरीक्षण किया। नैक द्वारा विवि का यह प्रथम मूल्यांकन था और इसके लिए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के निर्देशन में विभिन्न समितियां गठित की गई थी। नैक की पीयर टीम ने अपने निरीक्षण के आधार पर रिपोर्ट तैयार की और इस रिपोर्ट के आधार पर विवि को ए श्रेणी के विवि के रूप में स्थान मिला।

वर्धा विश्वविद्यालय को नैक ने दिया 'ए' ग्रेड

भास्कर न्यूज | वर्धा. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा ने अपनी उपलब्धि में एक और नया कीर्तिमान स्थापित किया है। भारत में हिंदी भाषा के विकास और प्रचार-प्रसार के लिए स्थापित इस केंद्रीय विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ने 'ए' ग्रेड प्रदान किया है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सभी विश्वविद्यालयों के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा मूल्यांकन एवं प्रत्यायन अनिवार्य कर दिया है जिसके तहत विश्वविद्यालय के मूल्यांकन हेतु नैक की पीयर टीम ने 23 से 26 फरवरी 2015 को विश्वविद्यालय के सभी पहलुओं का अवलोकन किया। विश्वविद्यालय के अकादमिक सत्र, शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध की उपलब्धियां, शिक्षकों के उन्नयन और ढांचागत सुविधाएं आदि को देखते हुए नैक ने विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड प्रदान किया। देश के जाने-माने विद्वान शिक्षाविद प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी की अध्यक्षता में प्रो. अवधेश प्रधान, प्रो. गोविंद प्रसाद, प्रो. ऊषा रानी नारायण, प्रो. सुशील कुमार शर्मा एवं नैक, बंगलौर के समन्वयक डॉ. गणेश हेगड़े ने विश्वविद्यालय की सभी विद्यापीठों यथा भाषा आदि की कार्यप्रणाली का नैक के मानदंडों के अनुरूप निरीक्षण किया।

दैनिक भास्कर

रविवार, 1 मार्च 2015,

नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग में

'सिने-रंग यात्रा' मासिक भित्ति पत्रक का विमोचन

ब्यूरो, वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग में विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रकाशित मासिक भित्ति पत्रक सिने-रंग यात्रा का विमोचन कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र द्वारा प्रतिकुलपति प्रो.चित्तरंजन मिश्र की प्रमुख उपस्थिति में किया गया। विमोचन के अवसर पर भित्ति पत्रक के संरक्षक प्रो. सुरेशशर्मा, प्रभारी संपादक डा. सतीश पावडे, प्रो.सुरज पालीवाल, प्रो.अरविंद झा, डा.अनिल दुबे, बी.एस.मिरगे, ओ.एस.डी.नरेंद्र सिंग, डा.हिमांशू नारायण छात्र संपादक मनीष कुमार जैसल आदि प्रमुखता से उपस्थित थे। पत्रिका के संपादक मंडल में कुमार गौरव मिश्रा, अशोक कुमार यादव, आशीष कुमार, कविता सिंह चौहान, उत्कर्ष मिश्रा, नीतू जैन शामिल थे। पत्रिका के लिए कला सहयोगी के रूप में दीप्ति ओगरे, प्रीतेश पांडे, नितीश भारद्वाज एवं कृष्णमोहन ने सहयोग दिया ।

दैनिक भास्कर
बुधवार, 11 मार्च 2015

हिंदी विवि में राष्ट्रीय सेवा योजना का उपक्रम

उमरी मेघे में विशेष शिविर आज

ब्यूरो | वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का आयोजन जिले के उमरी मेघे गांव में किया है। शिविर का उद्घाटन उमरी स्थित श्री शंकर देवस्थान परिसर में विवि के प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र द्वारा 11 मार्च को दोपहर 3 बजे किया जाएगा। कार्यक्रम में गटशिक्षा अधिकारी अशोक कोडापे, जिला परिषद उच्च प्राथमिक शाला के मुख्यध्यापक प्रा. देवकर उमरी मेघे के उपसरपंच सचिन खोसे, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डा.अनवर अहमद सिद्धिकी सहसंयोजक डा. सुप्रिया पाठक, बी.एस मिरगे प्रमुखता से उपस्थित रहेंगे। शिविर में स्त्री स्वयंसिद्ध, राष्ट्रीय सेवा योजनाः एक राष्ट्रीय कर्म, निरक्षरता संबंधी जनजागृति, ग्राम स्वच्छताः सामाजिक दायित्व, स्वाइन फ्लू से बचाव, व्यक्तित्व विकास एवं आत्मरक्षा, अंधविश्वास एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण नशा मुक्ति के उपाय, मासिक स्वास्थ्य में योग का महत्व, पंचायती राज व्यवस्था एवं ग्रामीण विकास, ग्रामपयोगी विज्ञान की उपयोगिता, संक्रामक रोगों से बचाव, ग्राम विकास में सामाजिक सौहार्द आदि विषयों पर मार्गदर्शन एवं चर्चाएं आयोजित की जाएगी। प्रत्येक दिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें लोकगीत, भजन, खंजेरी, वादन, लोक-नृत्य, स्वयंस्फूर्ति प्रतियोगिता एवं अंताक्षरी आदि की प्रस्तुतियां होगी। शिविर में जिलाधिकारी एन. नवीन सोना, जिला शेष | पेज 16 पर

उमरी मेघे में ...

परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजय मीणा, पुलिस-उपअधीक्षक आर.जी. किल्लेकर, सेवाग्राम मेडिकल कॉलेज की डा. अनुपमा गुप्ता, डा. प्रवीण सातपुते, डा. धनंजय सोनटक्के , डा. विनोद मुरकुटे, डा.कल्पना दुबे, डा. सतीश पावडे, डा.वाजपेयी, संजय इंगले तिगांवकर, डा. भरत राठी, प्रा. अल्पना वनमाली, डा. सोहम पंडया आदि विविध विषयों पर मार्गदर्शन एवं संबोधन करेंगे। विशेष शिविर का समापन विवि के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा 15 मार्च को दोपहर 12 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर विवि के अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. देवराज तथा शिक्षा विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. अरविंद कुमार झा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

लोकमत समाचार
अपना विदर्भ
बुधवार, 11 मार्च 2015

हिंदी विवि का शिविर आज

वर्धा : हिंदी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना का 11 मार्च को उमरी (मेघे) में आयोजित किया जा रहा है. शिविर का उदघाटन दोपहर 3 बजे किया जाएगा. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकुलपति चित्तरंजन मिश्र करेंगे. जिप शाला मुख्याध्यापक देवकर, उपसरपंच सचिन खोसे उपस्थित रहेंगे.

लोकशाही वार्ता
बुधवार, ११ मार्च २०१५

आजपासून विशेष शिबिर

प्रतिनिधी/ वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालयातील राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या विशेष शिबिराचे आयोजन बुधवार दि. ११ ते १५ मार्च दरम्यान उमरी (मेघे) येथे करण्यात आले आहे. शिबिराचे उद्घाटन प्रतिकुलपती प्रो. चित्तरंजन मिश्र, श्री शंकर देवस्थान परिसरात करतील. कार्यक्रमात गटशिक्षण अधिकारी अशोक कोडापे, जि.प. उच्च प्रा.शाळेचे मुख्याध्यापक प्रा. देवकर, उमरी (मेघे)चे उपसरपंच सचिन खोसे, राष्ट्रीय सेवा योजनेचे संयोजक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, सहसंयोजक डॉ. सुप्रिया पाठक, बी.एस.मिरगे ग्रामुख्याने उपस्थित राहतील. या शिबिराचा समारोप कुलगुरू प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांच्या हस्ते १५ मार्च रोजी दुपारी १२ वाजता करण्यात येईल.

दैनिक भास्कर

शुक्रवार. 13 मार्च, 2015

शिविर से परिस्थितियों का सामना करने की मिलती है हिम्मत : सुब्बाराव

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का उमरी मेघे में उद्घाटन

ब्यूरो | वर्धा.

राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरों के माध्यम से प्रतिकूल परिस्थितियों एवं अभाव में जीवन जीने का कौशल, स्वावलंबन तथा क्षमता को विकसित किया जा सकता है।उक्त प्रतिपादन राष्ट्रीय सेवा योजना के संस्थापक एन.एस सुब्बाराव ने व्यक्त किए। वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर-2015 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी ग्रामीण

औद्योगिकीकरण संस्थान के निदेशक डा. प्रफुल्ल काले, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डा. अनवर अहमद सिद्धीकी, कार्यक्रम अधिकारी डा. सुप्रिया पाठक, बी.एस मिरगे मंचासीन थे। अध्यक्षीय संबोधन में प्रतिकुलपति प्रो.चित्तरंजन मिश्र ने कहा की शिक्षा को वास्तविक अर्थों में समाज से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उद्घाटन समारोह में अतिथियों का स्वागत एवं परिचय डा. अनवर अहमद सिद्धीकी ने किया। प्रास्ताविक बी.एस मिरगे ने किया। संचालन रासेयो स्वयंसेवक रॉकी ने किया तथा आभार डा. सूप्रिया पाठक ने माना। पांच दिवसीय शिविर में विभिन्न सामाजिक विषयों पर मार्गदर्शन एवं चर्चाएं आयोजित की जाएगी। प्रत्येक दिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शिविर में विवि के प्रो. सुरज प्रसाद पालीवाल, प्रो.अनिल कुमार राय, प्रो. सुरेश शर्मा, प्रो. मनोज कुमार, जिलाधिकारी एन.नवीन सोना, जिला परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजय मीणा, पोलिस उप-अधिक्षक आर.जी.किल्लेकर, सेवाग्राम मेडिकल कॉलेज की डा. अनुपमा गुप्ता, डा. प्रवीण सातपुते, डा.धनंजय सोनटक्के, डा. विनोद मुरकुटे, डा.कल्पना दुबे, डा. सतीश पावडे, डा. वाजपेयी, संजय इंगले तिगांवकर, डा.भरत राठी, प्रा. अल्पना वनमाली, डा. सोहम पंडया आदि विविध विषयों पर मार्गदर्शन एवं संबोधन करेंगे। विशेष शिविर का समापन रविवार 15 मार्च को दोपहर 12 बजे विवि के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा किया जाएगा। समापन समारोह में विवि के अनुवाद प्रौद्योगिक विभाग के अध्यक्ष प्रो. देवराज तथा शिक्षा विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. अरविंद कुमार झा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

समाज उत्थान के लिए महिलाएं पहल करें

नागरिकों को सुजान व जिम्मेदार बनाने का कार्य महिलाएं ही कर सकती है। आज देश के सामने बेरोजगारी, हिंसा व भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं पर मात करने के लिए महिलाओं को पहल करने की जरूरत है। यह विचार वरिष्ठ गांधी विचारक डा. एस.एन. सुब्बाराव ने व्यक्त किये। नेहरू युवा केन्द्र तथा प्रहार समाज जागृति संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महिलाओं के लिए तीन दिवसीय युवा नेतृत्व व समुदाय विकास प्रशिक्षण शिविर में वे बोल रहे थे। शिविर का उद्घाटन गृहरक्षक दल के जिला प्रशिक्षण केन्द्र में किया गया। अतिथि के रूप में जिला समादेशक प्रा. मोहन गुजरकर, पीपल फॉर एनिमल्स के आशीष गोस्वामी, सहायक समादेशक चंद्रकांत हिवरे, प्रशासकीय अधिकारी भगवान शेटे, समादेशक अधिकारी सुरेश डुये, केन्द्र नायक रविंद्र चरडे, दीपेश जवादे उपस्थित थे। संचालन नेहरू युवा केन्द्र के धुवारे ने किया तथा आभार गृहरक्षक मीनल ब्राम्हणे ने माना।

दैनिक भास्कर

बुधवार, 18 मार्च, 2015

हिंदी विवि में विभिन्न उपक्रमों का आयोजन

श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान शिविर का आयोजन

ब्यूरो|वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा उमरी (मेघे) में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के पांच दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन गुरूवार को विभिन्न कार्यक्रमों एवं उपक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों सहित उमरी गांव के विद्यार्थी तथा नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

स्वंय सेवकों द्वारा श्री शंकर देवस्थान तथा उमरी गांव की मुख्य सडकों पर श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान चलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। स्वच्छता अभियान के बाद विवि के नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. सतीश पावड़े ने निरक्षरता एवं जनजागृति पर व्याख्यान दिया। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया की वे अपनी पढ़ाई के दौरान गांवों में जाकर या आसपास के परिसर के बच्चों को पढ़ाई के अवसरों एवं शिक्षा के लाभ आदि से अवगत कराएं। कार्यक्रम में रासेयो के संयोजक डा. अनवर अहमद सिद्दीकी, कार्यक्रम अधिकारी बी.एस. मिरगे ने भी मार्गदर्शन किया। शिविर के दूसरे सत्र में जिला परिषद के प्राथमिक विद्यालय में आयोजीत कार्यक्रम में व्यक्तित्व विकास एवं आत्मरक्षा विषय पर जुडो कराटे प्रशिक्षक उल्हास वाघ ने छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्याध्यापक कृष्णा देवकर ने की। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र तथा शिक्षक भी सहभागी हुए।

दैनिक भास्कर

गुरुवार, 19 मार्च, 2015

प्राद्योगिकी का उपयोग विकास के लिए हो : प्रो. मिश्र

ब्यूरो | वर्धा.

ग्रामीणों के विकास के लिए ग्रामोपयोगी विज्ञान केंद्र द्वारा निर्मित प्रौद्योगिकी का उपयोग होना चाहिए। केंद्र की परियोजनाओं का समावेश पाठ्यक्रम में भी होना चाहिए। यह विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के कुलपति प्रो. गिरिश्वर मिश्र ने किए। वे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर ग्रामपयोगी विज्ञान केंद्र, दत्तपुर के डा. देवेंद्र कुमार सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

इस अवसर पर ग्रामोपयोगी विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष भरत महोदय, उपाध्यक्ष प्रो. निशिकांत मुखर्जी, अनिल फरसोले, जमनालाल बजाज फांउडेशन के प्रो. अशोक मेहरे, केंद्र के कार्यकारी संचालक डा. सोहम पंडया, रत्ना पंडया, उमाशंकर भारती, आर. सी. प्रधान, विवि के जनसंपर्क अधिकारी बी.एस. मिरगे समेत केंद्र के पदाधिकारी प्रमुखता से उपस्थित थे। कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि ग्रामोपयोगी विकास केंद्र गांव के विकास के लिए काम कर रहा है। केंद्र के कार्य बीज के रूप में हैं जो आनेवाले समय में महावृक्ष में परिवर्तित होंगे। उन्होंने कहा विकास से व्यक्ति का आचरण अच्छा होना चाहिए। यह केंद्र विकास के साथ-साथ जीवन की भी बात करता है। यहां की अनेक परियोजनाएं ग्रामीण विकास के लिए फायदेमंद हैं। कूड़े-कचरे से अनेक प्रकार की उपयोगी सामग्री तैयार की जाएगी। उन्होंने केंद्र के पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे विवि को ग्रामोपयोगी विकास केंद्र के कार्यक्रमों में सहभागी बनाएं। उन्होंने ग्रामपयोगी विज्ञान केंद्र द्वारा निर्मित सामग्री एवं परियोजनाओं का प्रचार-प्रसार करने पर भी बल दिया। इस अवसर पर भरत महोदय ने कहा कि वर्धा में कई संस्थाएं हैं, जो राष्ट्रीय स्तर पर काम कर रही हैं। इन संस्थाओं को आपस में मिलकर काम करना चाहिए ताकि आसपास के ग्रामों के विकास में हम सभी शामिल हो सकें। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को विज्ञान के लाभ इन संस्थाओं के माध्यम से मिलने चाहिए। इस अवसर पर आर.सी. प्रधान, प्रो. निशिकांत मुखर्जी, केंद्र के सदस्य अनिल फरसोले, प्रा. अशोक मेहरे, केंद्र के संचालक सुधीर पारगांवकर, कार्यकारी संचालक डा. सोहम पंडया आदि ने विचार रखे। इस दौरान कुलपति प्रो. मिश्र और अन्य अतिथियों ने ग्रामोपयोगी विज्ञान केंद्र द्वारा बनाए गए विविध मॉडल एवं परियोजनाओं का निरीक्षण किया। केंद्र के कार्यों का परिचय रत्ना पंडया, शीला आगलावे, धनंजय भट, दिनकर काले, अंबादास कोंबे, विवेक सोनटक्के, अर्चना परसोड़कर, अशोक साठे, सुनील रघाटाटे आदि ने कराया। संचालन डा. सोहम पंडया ने किया। आभार अशोक पाठे ने माना।

दैनिक भास्कर

शुक्रवार, 20 मार्च 2015

चित्रलेखा अंशु, भावना मासीवाल के पोस्टर को मिला प्रथम पुरस्कार

ब्यूरो| वर्धा.

बरकतउल्ला विवि भोपाल के महिला अध्ययन विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जेंडर और आजीविका अवसर तथा चुनौतियां इस विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य महिला आजीविका के प्रश्न को वृहद परिवेश में देखना तथा स्त्री सशक्तिकरण के संबंध को रेखांकित करना था।

संगोष्ठी में शोध-पत्र प्रस्तुतिकरण के साथ ही राष्ट्रीय पोस्टर प्रतिस्पर्धा का भी आयोजन किया गया था, जिसमें गहात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि की ओर से स्त्री अध्ययन विभाग की शोधार्थी चित्रलेखा अंशु और साहित्य विभाग की शोधार्थी भावना मासीवाल ने हिस्सा लिया था।

पोस्टर प्रतिस्पर्धा के अंतर्गत असंगठित क्षेत्र में महिलाओं का स्थान कहां? विषय को केंद्र में रख कर बनाए गए पोस्टर के लिए इन्हें प्रथम पुरस्कार दिया गया।

दैनिक भास्कर

शुक्रवार, 20 मार्च,

हिंदी विवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी 28 से

विवि का शिक्षा, मनोविज्ञान तथा भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद का संयुक्त आयोजन

ब्यूरो | वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि का शिक्षा एवं मनोविज्ञान विभाग तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 28,29 एवं 30 मार्च को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा, सीखने और जानने की दृष्टियों में बदलाव विषय पर तथा मनोविज्ञान विभाग द्वारा आधुनिक जीवन में मूल्य संकट:समाज वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य और हस्तक्षेप विषय पर आयोजित इस तीन दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन 28 मार्च को होगा जिसमें सुदरलाल वर्मा मुक्त विवि, बिलासपुर के प्रो. वंश गोपाल सिंह, एनसीईआरटी, नई दिल्ली के निदेशक प्रो.बी.के.त्रिपाठी, दिल्ली विवि में अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के अधिष्ठाता प्रो. आनंद

प्रकाश, दिल्ली विवि में महिला अध्ययन व विकास विभाग के निदेशक प्रो.भारती बावेजा, बरकतउल्ला विवि भोपाल के प्रो. कैलाशनाथ त्रिपाठी तथा आईआईटी कानपुर के प्रो.लीलावती कृष्णन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र करेंगे। शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो.अरबिंद कुमार झा ने बताया कि संगोष्ठी में शिक्षा और मनोविज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। गाष्ठी में सहभागिता करने हेतु अध्यापकों के लिए रुपए 700 तथा शोध विद्यार्थियों के लिए रुपए 500के साथ पंजीकरण करना होगा तथा शेष | पेज 16 पर

हिंदी विवि में राष्ट्रीय ...

उनके भोजन एवं निवास की व्यवस्था विवि द्वारा की जाएगी। उन्होंने शिक्षा और मनोविज्ञान से जुडे अध्यापकों एवं शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे अपना पंजीकरण 22 मार्च तक सुनिश्चित कर लें। अधिक जानकारी के लिए ऋषभ कुमार मिश्र, निधि गौर, धमेंद्र शंभरकर, डा.अमित कुमार त्रिपाठी तथा डा.अरुण प्रताप सिंह से संपर्क किया जा सकता है।

दैनिक भास्कर

शनिवार. 21 मार्च, 2015

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में

अंधविश्वास और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर व्याख्यान

चमत्कार का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है : तिगांवकर

ब्यूरो | वर्धा.

विज्ञान चिकित्सा पर आधारित होता है और चमत्कार को काई वैज्ञानिक आधार नहीं है। मानसिकता का फायदा उठाकर समाज में अंधविश्वास फैलाया जाता है।

भ्रम और आभास को सच्चाई मानकर भूत जैसी संकल्पना का प्रसार किया जाता है और लोगों को ठगाने का काम किया जाता है। उक्त विचार अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के महाराष्ट्र राज्य के सलाहकार तथा दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी संजय इंगले तिगांवकर ने व्यक्त किए।

वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि की राष्ट्रीय योजना द्वारा उमरी मेघे में आयोजित विशेष शिविर में अंधविश्वास और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विषय पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे थे। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा उमरी मेघे में विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। श्री शंकर देवस्थान के सभागार में तिगांवकर ने विविध प्रयोगों के माध्यम से अंधविश्वास किस प्रकार फैलाया जाता है इसके बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि टीवी और फिल्मों के माध्यम से भूत जैसी अस्तित्वहीन संकल्पनाओं के बारे में बताया जाता है, वास्तव में दुनिया में भूत नाम की कोई भी संकल्पना मौजूद ही नहीं है। उन्होंने कहा कि अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति पिछले तीन दशकों से समाज में फैले अंधविश्वास के प्रति जागरूकता लाने का कार्य करती है। कार्यक्रम में उन्होंने छात्रों द्वारा पूछे गए सवालों का समाधान भी किया। कार्यक्रम का संचालन रासेयो संयोजक डा. अनवर अहमद सिद्दीकी ने किया तथा आभार कार्यक्रम अधिकारी बी.एस.मिरगे ने माना। इस अवसर पर शिविरार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर
रविवार, 21 मार्च, 2015

नवाचार मेले में हिंदी विवि हुआ सहभागी

ब्यूरो | वर्धा.

राष्ट्रपति भवन में आयोजित नवाचार मेले में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि की ओर से भाषा विद्यापीठ में सहायक प्रोफेसर डा. धनजी प्रसाद तथा लीला विभाग के प्रभारी गिरीश चंद्र पाण्डेय सहभागी रहे। इस आयोजन में हिंदी को कम्प्यूटर और स्मार्ट तकनीकी साधनों में प्रयोग के लिए सक्षम बनाने में विवि में विकसित किए जा रहे हिंदी के भाषिक विश्लेषण और शिक्षा से संबंधित अनेक सॉफ्टवेयर और एप्स का प्रदर्शन किया गया और प्रस्तुतिकरण दि या गया। साथ ही विवि द्वारा हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने के लिए किए जा रहे आवश्यक शिक्षा, शोध और सामग्री निर्माण से संबंधित कार्यों को भी रेखांकित किया गया। यह आयोजन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के पहल पर भारत के राष्ट्रीय

संस्थानों द्वारा अलग-अलग किए जा रहे नवीन अनुसंधानों, शोधकार्यों और नवाचारों को एक-दूसरे से मिलाने और परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने की योजना के अंतर्गत किया गया। इसमें भारत के सभी केंद्रीय विवि और प्रमुख केंद्रीय संस्थानों जैसे आई.आई.टी तथा एन.आई.टी की सहभागिता रही। इनमें से केवल 5 संस्थानों एवं विवि को प्रस्तुतिकरण का अवसर प्रदान किया गया, जिनमें से एक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि, भी इस प्रस्तुतिकरण में विवि में विकसित किए गए वर्तनी जांचक, रूपविश्लेषक, रूपसर्जक, टैगर, देवनागरी रोमन लिप्यंतरण प्रणाली, पुस्तकालय प्रबंधन, शब्दत-गणना निर्धारक, अवकाश विवरण आदि सॉफ्टवेयरों और हिंदी सीखें एप का परिचय दिया गया। प्रस्तुतिकरण करने के पश्चात सभी विवि का पोस्टर मैदान में आयोजन स्थल पर लगाया गया। जिसमें बाहर के लोगों ने भी विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे और जानकारियां ली। इस आयोजन में सहभागी हुए सभी विवि / संस्थानों और उनके नवाचार क्लब सदस्यों की उपलब्धियों को बुकलेट ऑन वर्किंग ऑफ नैशनल इनोवेशन क्लब ऍट द रेट इन्स्टिट्यूट ऑफ हायर स्टडिज नाम से प्रकाशित भी किया गया है। इसकी एक-एक प्रति सहभागिता कर रहे नवाचार क्लब सदस्यों को भी प्रदान की गई। डा. धनजी प्रसाद और गिरीश चंद्र पाण्डेय द्वारा यह पुस्तक कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र को भेंट की गई।

दैनिक भास्कर

शुक्रवार, 27 मार्च, 2015

विवि प्रशासन के अन्याय को रोकें

» विवि के प्रोफसर शिवप्रिय ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो | वर्धा.

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि प्रशासन द्वारा लगातार प्रताड़ित किए जाने तथा वेतन नहीं देने के कारण त्रस्त हुए प्रोफेसर ने हिंदी विवि के कुलपति को ज्ञापन सौंपकर न्याय देने की मांग की है। हिंदी विवि के नेहरू अध्ययन केन्द्र में कार्यरत प्रोफेसर शिवप्रिय ने ज्ञापन में कहा है कि उन्हें विविध प्रशासनों की ओर से लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्हें उनके काम का सात माह का वेतन भुगतान बार-बार लिखित अनुरोध के बाद भी नहीं लिया गया। जिस कारण शीघ्र वेतन अदा कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि प्रतिकुलपति चित्तरंजन मिश्र से लिखित रूप में वेतन भुगतान के लिए आवदेन देने पर भी उनसे अच्छा बर्ताव नहीं किया गया, इस कारण उनका लिखित तर्क प्रस्तुत करने की मांग की गई। इसके अलावा 1 नवंबर 2013 से 31 मार्च 2017 तक की अवधि तक के लिए डिप्टी-कोआर्डिनेट के पद अस्थाई रूप में कार्यरत था, लेकिन 28 अक्टूबर 2014 से आगे की अवधि का सेवा विस्तार पत्र आज तक लंबित है, जिस कारण गत पांच माह से वेतन नहीं मिला है। यह वेतन देने की

शेष | पेज 16 पर

विवि प्रशासन...

मांग ज्ञापन में की गई है। इसके अतिरिक्त अध्ययन क्षेत्र से जुड़े गाईड़ की व्यवस्था करें, सार्वजनिक रूप से मेरी मानहानि के लिए विवि प्रशासन द्वारा कारवाई करने की मांग प्रोफेसर शिवप्रिय ने ज्ञापन से की है। उनका कहना है कि प्रशासकीय अधिकारियों द्वारा मेरे जीवन से खिलवाड़ करने के कारण अपमानित और उत्पीड़ित महसूस करता हूं। जिस कारण न्याय देने अन्यथा जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष आमरण अनशन करने की चेतावनी प्रोफेसर शिवप्रिय ने ज्ञापन से दी है।।

दैनिक भास्कर

शुक्रवार, 27 मार्च, 2015

(3)

हिंदी विवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी कल से

ब्यूरो | वर्धा. ममहात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि का शिक्षा एवं मनोविज्ञान विभाग तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 28, 29 एवं 30 मार्च को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। शिक्षा विभाग के द्वारा शिक्षण सीखने और जानने की दृष्टियों में बदलाव तथा मनोविज्ञान विभाग की ओर से आधुनिक जीवन में मूल्य संकटः समाज वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य और हस्तक्षेप विषय पर आयोजित इस तीन शेष | पेज 16 पर

हिंदी विवि में ...

दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन 28 मार्च को होगा। जिसमें सुंदरलाल वर्मा मुक्त विवि बिलासपुर के प्रो. वंश गोपाल सिंह, एनसीईआरटी नई दिल्ली के निदेशक प्रो. बी. के त्रिपाठी, दिल्ली विवि में अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के अधिष्ठाता प्रो. आनंद प्रकाश, दिल्ली विवि में महिला अध्ययन व विकास विभाग की निदेशक प्रो.भारती बावेजा, बरकउल्ला विवि, भोपाल के प्रो. कैलाशनाथ त्रिपाठी तथा आईआईटी कानपुर के प्रो. लीलावती कृष्णन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र करेंगे। संगोष्ठी समन्वयक व आयोजक सचिव तथा शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा ने बताया कि तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षा और मनोविज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। संगोष्ठी के माध्यम से शिक्षा और मनोविज्ञान जुड़े अध्ययनकारियों और शोधकर्ताओं को आमंत्रित कर रहा है। संगोष्ठी के विषय में अधिक जानकारी के लिए ऋषभ कुमार मिश्र, निधि गौर, धर्मेंद्र शंभरकर, डा. अमित कुमार त्रिपाठी तथा डा. अरुण प्रताप सिंह से संपर्क किया जा सकता है।

दैनिक भास्कर

शुक्रवार, 27 मार्च 2015

भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं

» बंगाल के राज्यपाल के साथ हिंदी विवि के कुलपति की बैठक

ब्यूरो | वर्धा.

देश के जाने-माने मनोविज्ञानी तथा महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र चार दिनों की यात्रा पर 18 मार्च की सुबह कोलकाता पहुंचे। उन्होंने कोलकाता विवि के मनोविज्ञान विभाग की स्थापना के सौ साल पूरा होने के अवसर पर 18 व 19 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यानं दिया। उन्होंने कतिपय सत्रों की अध्यक्षता भी की।

प्रो. मिश्र ने कोलकाता यात्रा के दौरान पश्चिम बंगाल के राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी से मुलाकात की और उन्हें विवि द्वारा प्रकाशित किताबों का एक सेट भेंट किया। इस अवसर पर राजयपाल ने भी अपनी किताबें कुलपति को भेंट की। राज्यपाल के साथ कुलपति की बैठक ढाई घंटे तक चली। कुलपति प्रो.मिश्र ने 20 मार्च को विवि के कोलकाता केंद्र में भाषा और यथार्थ पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं है। बल्कि एक परफार्मेंस भी है, जिसके माध्यम से मित्र भी बनाया जा सकता है और शत्रु भी।

यह हमें तय करना है कि भाषा का उपयोग किस तरह का समाज बनाने में हम करना चाहते हैं। प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि भाषा की ताकत है कि घोर निराशा के समय में एक व्यक्ति को निराशा का बिंब खींचने के बजाय उसे दूर करने के लिए अच्छे दिन लाने का सपना दिखाया और उसी का प्रभाव है जो आज का यर्थाथ भी है कि वह व्यक्ति देश की सत्ता में है। प्रो. मिश्र ने कहा की भाषा यथार्थ का निर्माण भी करती है। कुलपति ने इस अवसर पर कोलकाता केंद्र में संचालित होने वाले पाठयक्रमों के बारे में हिंदी-बांग्ला के बुद्धिजीवियों के साथ बैठक भी की। कुलपति ने 21 मार्च को कोलकाता केंद्र अधिकारियों के साथ बैठक कर केंद्र की अकादमिक गतिविधियों की समीक्षा भी की। प्रो.मिश्र ने 22 मार्च को कोलकाता से प्रस्थान किया।

दैनिक भास्कर

रविवार, 29 मार्च 2015,

(15)

शिक्षा मूल्य गर्भित प्रक्रिया : प्रो. मिश्र

ब्यूरो, वर्धा.

शिक्षा एक मूल्य गर्भित प्रक्रिया है। शिक्षा हमें वैकल्पिक दृष्टि और विवेक प्रदान करती है। समाज में मूल्य शिखा के प्रसार के लिए शिक्षा को एक प्रभावी माध्यम बनाना चाहिए। समाज से शिक्षा का सीधा संबंध विकसित हो तभी मूल्यों का संचार और तीव्र गति से हो पाएगा। उक्त विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के कुलपति प प्रो.गिरश्वर मिश्र ने व्यक्त किए। वे विवि में शिक्षा एवं मनोविज्ञान विभाग तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 28,29 एवं 30 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर अध्यक्षीय वक्तव्य दे रहे थे। इस अवसर पर एनसीईआरटी, नई दिल्ली के निदेशक बी.के.त्रिपाठी, दिल्ली विवि में महिला अध्ययन व विकास विभाग की निदेशक प्रो.भारत बावेजा, दिल्ली विवि में अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के अधिष्ठाता प्रो.आनंद प्रकाश, दिल्ली विवि में राजनीति विभाग के प्रो. प्रकाश नारायण, विवि के शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रों.अरविंद कुमार झा मंचासीन थे। शिक्षा विभाग के द्वारा शिक्षण, सीखने और जानने की दृष्टियों में बदलाव विषय पर तथा मनोविज्ञान विभाग द्वारा आधुनिक जीवन में मल्य संकट: समाज वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य और हस्तक्षेप विषय पर आयोजित शेष | पेज 14 पर

विवि का शिक्षा, मनोविज्ञान विभाग तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली का संयुक्त आयोजन

शिक्षा मूल्य गर्भित...

तीन दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन शनिवार को हबीब तनवीन सभागार में मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। संगोष्ठी में महाराष्ट्र, हरियाणा, छत्तीसगड़, बिहार, आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना आदि राज्यों से प्रतिनिधि उपस्थित हुए। अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि आज कल मूल्य शिक्षा की बात हर मंच से उठ रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा स्वयं एक मूल्य है और इसे पाने का एक माध्यम भी है। उन्होंने सिंगापुर का उदाहरण देते हुए कहा कि वहा सज्जनता और विनम्रता की वजह से कार्य संस्कृति का विकास हुआ है और आज वह देश दुनिया के तमाम देशों के सामने अनुसाशित देश का एक अच्छा उदाहरण बना हुआ है। शिक्षा के संस्थाकरण की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि इससे शिक्षा का नुकसान हो रहा है और एक खाचे में ढालकर शिक्षार्थी तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने आग्रह किया कि शिक्षा को समाज से जोड़कर ही अपेक्षित लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। बीज वक्तव्य में प्रो.भारती बावेजा ने उच्च शिक्षा की प्रकृति और लक्ष्य की बात करते हुए कहा कि व्यवहारवाद और संज्ञानवाद समान रूप से चलते हैं। मनोविज्ञान को समझने के लिए संस्कृति को समझना अत्यंत आवश्यक है। नैतिक मस्तिष्क के विषय को लेकर उन्होंने शिक्षा की प्रकृति और पढ़ाने के तौर तरीकों पर अपनी बात रखी। उन्होंने माना कि शिक्षा का स्वरुप बदलते परिदृश्य में बदलना अनिवार्य हैं। प्रो. आनंद प्रकाश ने आधुनिक समाज में मूल्य संकट विषय पर मुख्य वक्तव्य में कहा कि शिक्षा हमें मुक्ति देती है। दवा शरीर को स्वस्थ्य रखती है वैसे नैतिकता समाज को स्वस्थ्य रखती है। उन्होंने अनेक अनुसंधान का जिक्र करते हुए मूल्य शिक्षा, मूल्य शिक्षा का संकट आदि विषयों को अपने व्याख्यान में समाहित किया। एनसीईआरटी के निदेशक प्रो.बी.के.त्रिपाठी ने नई शिक्षा नीति और शिक्षा के सिद्धांतों पर अपने विचार प्रकट किए। संगोष्ठी समन्वयक व अयोजन सचिव तथा शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो.अरबिंद कुमार झा ने स्वागत वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि समाज ही ज्ञान के निर्माण में और उसे समझने में मदद करता है। विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों का उन्होंने स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया। संचालन ऋषभ मिश्र ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अरुण प्रताप सिंह ने किया। उद्घाटन समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों के अधिष्ठाता, अध्यापक, अधिकारी, शोधार्थी उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

, रविवार, 29 मार्च 2015,

(14)

हिंदी आंचलिक भाषाओं का समुच्चय : प्रो. शुक्ला

ब्यूरो, वर्धा.

महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिकरण संस्थान आंचलिक भाषाएं एवं हिंदी पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में जिले के महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि से विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ला उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डा. पी.बी. काले ने की। दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम शुरू हुआ। उपरांत अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। हिंदी अधिकारी एवं रसायनिक ग्रामोद्योग विभाग के उपनिदेशक डा. मनोरंजन पटनायक ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखते हुए कहा कि हिंदी इस आयोजन का मुख्य उद्देश है, हिंदी का महत्व समझना और समझाना, ताकि हम सब ज्यादा से ज्यादा हिंदी का प्रयोग करें। संस्थान के निदेशक डा. पी.बी काले ने हिंदी से जुड़े अपने अनुभव साझा किए और कहा कि हमारे संस्थान में विभिन्न राज्यों के लोग कार्य करते हैं। वे भी हिंदी बोलते हैं। हमारे संस्थान से जो आविष्कार व संशोधन किए गए हैं। उसकी हिंदी विवि में प्रदर्शनी लगाई जाए और छात्रों के कौशल विकास में हम हिंदी विवि साथ मिलकर काम करें। प्रो. शुक्ला ने कहा कि आंचलिक भाषाएं एवं हिंदी एक-दूसरे के पूरक हैं। हिंदी और आंचलिक भाषाएं अलग नहीं हैं। जितना भौगोलिक क्षेत्र है, उतनी ही भाषाएं हैं। हम जिस भौगोलिक क्षेत्र में रहते हैं, वहां की भाषा से हमें प्रेम होता है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम दूसरी भाषाओं से नफरत करते हैं। 12वीं शताब्दी में जब संस्कृत का सूर्योदय हो रहा था, तब मलयालम ने 70 प्रतिशत शब्दों को अपने भाषा में अपनाया। हम कह सकते हैं कि हिंदी सभी भाषाओं का समुच्चय है। दुनिया में लगभग 70 प्रतिशत लोगों को अंगरेजी नहीं आती, इसकी रक्त ही दूषित है। उसमें आत्मीयता का संचार हुआ ही नहीं। एक कह सकते हैं कि हिंदी एक लिमिटेड कंपनी है तथा आंचलिक भाषाएं उसका शेयर है। जो आंचलिक भाषाएं हिंदी में जितना शेयर बढ़ाएंगी, उतना हिंदी के लिए अधिक योगदान दे सकेंगी। आंचलिक भाषाओं में कोई विरोध नहीं है। आंचलिक भाषाएं ही हिंदी हैं। हम क्रांति व दबाव में हिंदी को विकसित नहीं कर सकते। आंचलिक भाषाओं के प्रेमी ही हिंदी में ज्यादा से ज्यादा योगदान दें तथा अपने दैनिक दिनचर्या में अपनाएं तभी हम हिंदी का विकास कर सकते हैं। हिंदी इस देश की भाषा होगी तभी देश का विकास होगा। कार्यक्रम में एमगिरी के अधिकारी, कर्मचारी समेत हिंदी विवि के आचार्य व शोधार्थी भी उपस्थित थे। संचालन तथा आभार प्रदर्शन हिंदी विभाग की अपर्णा सिंह ने किया।

दैनिक भास्कर

सोमवार, 30 मार्च, 2015

हिंदी विवि में कथाकार, अलोचक विजय मोहन सिंह को श्रद्धाजंलि

ब्यूरो | वर्धा.

हिंदी के प्रख्यात कथाकार और वरिष्ठ आलोचक विजय मोहन सिंह का अचानक दिल का दौरा पड़ने से दिल्ली स्थित उनके आवास पर शुक्रवार को सुबह निधन हो गया। उनके निधन पर महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में शोकसभा में श्रद्धाजलि अर्पित की गयी। विजय मोहनद सिंह विवि में वर्ष 2012-13 के दौरान आवासीय लेखक के रूप में पदस्थ थे।

शोक सभा में आवासीय लेखक मदन सोनी, कुलानुशासक प्रो. सूरज पालीवाल तथा बहुवचन के संपादक अशोक मिश्र ने विजय मोहन सिंग के साहित्यीक कृतियों पर प्रकाश डाला।

विजय मोहन सिंह ने लंबे अरसे से अस्वस्थ चल रहे थे। यह दुखद समाचार मिलते ही हिंदी जगत में शोक की लहर व्यात हो गई है। इस अवसर पर महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि वर्धा के प्रशासकीय भवन में कुलसचिव एंव वित्ताधिकारी संजय भास्कर गवई की अध्यक्षता में एक शोक सभा का आयोजन शाम साढ़े 5 बजे किया गया। विजय मोहन सिंह का परिचय देते हुए विवि की पत्रिका बहुवचन के संपादक अशोक मिश्र ने कहां कि उनका जन्म बिहार के आरा जिला स्थित शाहाबाद के एक जमींदार

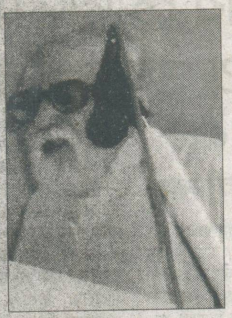

परिवार में 1 जनवरी 1936 को हुआ था। जीवन के प्रारंभिक बरसों में उन्होंने आरा के एक डिग्री कॉलेज में अध्यापन किया जिसके बाद दिल्ली ओर हिमाचल प्रदेश विवि में सहायक प्रोफेसर रहे थे। वे तीन बससों तक हिंदी अकादमी दिल्ली के सचिव भी रहे ओर अकादमी की पत्रिका इंद्रप्रस्थ भारती का संपादन भी किया। उनके तीन कहानी संग्रह टटटू सयार, एक बंगलर बने न्यारा, गमे हस्ती का हो किससे और एक उपन्यास कोई चीरानी है प्रकाशित हुए। इसके अलावा उनकी हिंदी आलोचना को एक नई दृष्टी देने वाली छह पुस्तकें प्रकाशित हुई, जिनको कथा आलोचना में मील का पत्थर कहा जा सकता है। शोक सभा में दो मीनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धाजंलि अर्पित की गई।

दैनिक भास्कर
मंगलवार, 31 मार्च 2015

(2)

सम्राट अशोक जयंती पर रचनात्मक कार्यक्रम

ब्यूरो|वर्धा. स्थानीय डा. बाबासाहेब आंबेडकर पुतले के समीप बीआरसी यूनिट द्वारा बोधिसत्व सम्राट अशोक मौर्य का 2319 वां जयंती कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के बौद्ध अध्ययन विभाग के डा. सुरजीत सिंह, मुख्य अतिथि के रूप में आदिवासी युवा आंबेडकरी लेखक तथा विचारक डा.सुनील कुमार सुमन, रवींद्र जिन्दे, बामसेफ, जिला संयोजक अरविंद खैरकार, प्रा. प्रवीण वानखेडे, एड.अविनाश भगत, सुरेश काबंले तथा मेजर ढोबले आदि उपस्थित थे। सर्वप्रथम सम्राट अशोक मौर्य की प्रतिमा का पूजन कर दीप प्रज्वलन किया गया। मंचासीन मान्यवरों का स्वागत बीआरसी युवा यूनिट द्वारा पुष्पगुच्छ देकर किया गया। पश्चात बीआरसी युवा यूनिट द्वारा मेजर ढोबले के मार्गदर्शन में सम्राट अशोक मौर्य को गॉड ऑफ ऑनर यह वंदना दी गई। कार्यक्रम में रवींद्र जिन्दे ने अपने मार्गदर्शन में भारतीय संविधान के सम्राट अशोक मौर्य के कार्यकाल के साथ किस तरह का संबंध जुड़ता है इस पर विचार व्यक्त किए। डा. सुनीलकुमार सुमन ने सम्राट अशोक के जीवन कार्य पर प्रकाश डाला। अपने अध्यक्षीय भाषण में डा.सुरजीत सिंह ने सम्राट अशोक और उनके लोककल्याणकारी शासन के विषय में जानकारी दी। उन्होंने आगे काहा कि अशोक मौर्य का चक्र राष्ट्रध्वज पर विराजमान है तथा साथ में चार सिंहमुखी अशोक स्तंभ पर भारतीय राजमुद्रा का प्रतीक है। प्रास्ताविक आशीष बैले ने रखा। कार्यक्रम का संचालन प्रशील पानबुड, पंकज सातपुडके ने किया। तथा आभार प्रदर्शन रवि कुभार ने किया। सफलतार्थ चंद्रशेखर मड़ावी, आशीष सोनटक्के , नितीन निमरद, अमोल ओंकार, शरद भवन, राम येघरे, अनिल उईके, नयन झामरे, अजय कांबले, अजीत करवाडे, प्रणीत मानकर और असीत माटे आदि ने सहयोग किया।

दैनिक भास्कर

रविवार, 1 मार्च 2015,

(19)

अब हिन्दी विश्वविद्यालय में भी होगा बी एड पाठ्यक्रम

ब्यूरो, वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा सत्र 2015-16 से दो साल के बी. एड. पाठ्यक्रम को शुरू करने जा रहा है। इस पाठ्यक्रम को प्रारंभ करने के लिए शिक्षा विभाग को एन. सी. टी. ई की अनुमति मिल गयी है।

शिक्षा विद्यापीठ इसके लिए पूर्ण रूप से तैयार है। शिक्षा विद्यापीठ के मुक्तिबोध भवन में आवश्यक संसाधनों जैसे प्रयोगशालाएं, संसाधन कक्ष, पुस्ताकालय, कम्प्यूटर कक्ष आदि प्रारंभ किए जा चुके हैं। विभागीय पुस्तकालय में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर की शोध पत्रिकाएं मंगाई जाती हैं। खेल के साधन भी विभाग में उपलब्ध हैं। इसके साथ ही शिक्षा विभाग में योग्य, प्रतिबद्ध और विशेषज्ञों की नियुक्ति की गयी है। बी. एड. पाठ्यक्रम चुनाव आधारित क्रेडित प्रणाली (सी.बी.सी.एस.) पर बना है।

चुनाव आधारित क्रेडित प्रणाली का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी रूचि के अनुसार विषय पढ़ने का मौका देना है। बी.एड.के सभी विद्यार्थी जनसंचार, स्त्री अध्ययन, साहित्य, भाषा तकनीकी, नाट्यकला, और समाज कार्य आदि विभागों से अपने पसंद के विषय चुन सकते हैं। इससे उन्हें इन विषयों को समझने का मौका मिलेगा। इस पाठ्यक्रम में स्कूल के अनुभव के लिए भी हर सेमेस्टर में समय दिया जाएगा। विद्यालय अनुभव को समृद्ध करने के लिए उन्हे छह माह तक विद्यालय में कार्य करने का मौका दिया जाएगा।

इस दौरान वे रूचिनुसार लघु शोध परियोजना करेंगे। विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जाएगा। विभाग में चल रही गतिविधियों जैसे निपूण, निसर्ग, पहल, पुस्तक विमर्श, आत्म मंथन, अभिव्यक्ति, घुम्मकड़ जिज्ञासा इत्यादि में सभी विद्यार्थी भाग लेंगे और समाज में सहभागिता निभाएंगे। साप्ताहिक शोध वार्ता से जुड़कर विद्यार्थी शिक्षा में नवीनतम शैक्षणिक अनुसंधानों के बारे में जान सकेंगे। इन कार्यक्रमों के द्वारा प्रशिक्षु सामूदायिक सहभागिता जैसे प्रकृति अध्ययन, गांवों का भ्रमण, हाशिए के वर्ग के बच्चों के साथ अध्ययन करने को मौका देगा। इस प्रकार से वे इन रचानात्मक गतिविधीयों द्वारा स्वंय को समझेंगे। अंत में कहा जा सकता है कि हिंदी विवि से बी.एड.करने का अनुभव खास होगा जो विद्यार्थियों को न केवल अच्छे शिक्षक बनने के लिए प्रेरित करेगा बल्कि उनके व्यक्तित्व का भी विकास करने में सहायक होगा और उन्हे एक विचारशील व्यक्ति बनाएगा जो एक शिक्षक की विशेषता है।

शुक्रवार, दि.६ मार्च २०१५

लोकमत

विश्वविद्यालयाच्या उपलब्धीत मानाचा तुरा

प्रतिनिधी/ ५ मार्च

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाच्या उपलब्धीत आणखी एक मानाचा तुरा रोवला आहे. विश्वविद्यालयाला राष्ट्रीय मूल्यांकन आणि प्रत्यायन परिषदेने (नॅक) ए श्रेणी प्रदान केली आहे.केंद्रीय मनुष्यबळ विकास मंत्रालय आणि विद्यापीठ अनुदान आयोगाने सर्व विद्यापीठांना राष्ट्रीय मूल्यांकन आणि प्रत्यायन परिषदेचे मूल्यांकन आणि प्रत्यायन अनिवार्य केले आहे. या अंतर्गत नॅकच्या चमुने २३ ते २६ फेब्रुवारी या काळात विश्वविद्यालयाच्या सर्व विभागांचे अवलोकन केले.विश्वविद्यालयाचा अकादमिक स्तर, शैक्षणिक गुणवत्ता, संशोधनाची उपलब्धी, शिक्षकांचे उन्नयन आणि पायाभूत सोयी-सुविधा बघून नॅकने विश्वविद्यालयाला 'ए' ग्रेड प्रदान केला. देशातील विद्वान आणि शिक्षणतज्ज्ञ प्रा.राधावल्लभ त्रिपाठी यांच्या अध्यक्षतेखाली प्रा. अवधेश प्रधान, प्रा. गोविंद प्रसाद, प्रा. ऊषा रानी नारायण, प्रा. सुशीलकुमार शर्मा आणि नॅक,बंगलौरचे समन्वयक डॉ. गणेश हेगडे यांनी भाषा, साहित्य, संस्कृती, अनुवाद व निर्वाचन, मानविकी आणि सामाजिक विज्ञान तसेच शिक्षण विभागासह समस्त प्रशासकीय विभाग, अनुभागांच्या कार्यप्रणालीचे नॅकच्या मानदंडानुसार निरीक्षण केले.

आनंदाचे वातावरण पसरले आहे. उल्लेखनीय असे की, विश्वविद्यालयाला दूर शिक्षणाच्या माध्यमातून बी. एड. करिता ५०० जागा तर नियमित बी. एड. करिता ५० जागा स्वीकृत झाल्या आहेत. तसेच विश्वविद्यालयात केंद्रीय विद्यालय सुरू करण्याच्या दिशेने जोरदार हालचाली सुरू आहेत. हा एक योगायोगच म्हणावा की वर्तमान कुलगुरु प्रा. गिरीश्वर मिश्र यांनी बरोबर एक वर्षाआधी कार्यभार ग्रहण केला होता आणि त्याच दिवशी नॅककडून विश्वविद्यालयाला 'ए' ग्रेड देण्याची घोषणा झाली.यावर प्रतिक्रिया देताना प्रा. गिरीश्वर मिश्र म्हणाले की, आम्हा सर्वांच्या प्रयत्नांचे हे फळ असून यामुळे विश्वविद्यालय अधिक गतीने पुढे घेवून जाण्यासाठी आम्हा सर्वांना प्रेरणा आणि प्रोत्साहन मिळाले आहे. विश्वविद्यालयाच्या उत्कृष्ट कामगिरीसाठी ए ग्रेड मिळाल्याचे घोषणमुळे विद्यार्थी, अध्यापक, कर्मचारी आणि परिसरात उल्हासाचे वातावरण पसरले आहे. विश्वविद्यालयाला ए दर्जा मिळाल्याने विश्वविद्यालय परिसर आणि विद्यार्थ्यांमध्ये आनंदाचे वातावरण पसरले आहे.

रविवार, दि.१५ मार्च २०१५

देशोन्नती

मार्गदर्शन ...

वर्धा :येथील हिंदी विश्व विद्यालयात एका कार्यक्रमादरम्यान सुब्बाराव योनी विद्यार्थ्यांना मोलाचे मार्गदर्शन केले. यावेळी व्यासपीठावर मान्यवर उपस्थित होते.

प्रतिदिन अखबार

शनिवार, 14 मार्च 2015

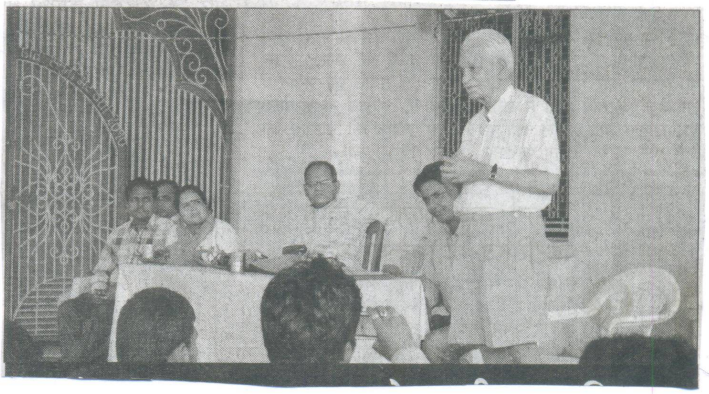

देशोन्नती
बुधवार, दि.१८ मार्च २०१५

राष्ट्रीय सेवा योजनेतून सामाजिक फेरनिर्मिती व्हावी : मिश्र

उमरी मेघे येथे रासेयो शिबिराचा समारोप

प्रतिनिधी / १७ मार्च

वर्धा : राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या माध्यमातून सामाजिक पुनर्निर्मितीच्या दिशेने प्रयत्न झाले पाहिजे. इतरांच्या मदतीला धावण्याची भावना विकसित करण्यासाठी राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या विशेष शिबिरातून कार्य व्हावे अशी अपेक्षा महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे प्र कुलगुरु प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांनी व्यक्त केले.

विश्वविद्यालयातील राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या वतीने उमरी (मेघे) येथे आयोजित विशेष शिबिराच्या समारोपीय कार्यक्रमात ते बोलत होते.

अध्यक्षस्थानी प्रो. गिरीश्वर मिश्र होते. अतिथी म्हणून विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय, शिक्षण विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. अरविंद कुमार झा, राष्ट्रीय सेवा योजनेचे संयोजक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, पोलिस उपअधीक्षक आर. जी. किल्लेकर, उमरी मेघेचे उपसरपंच सचिन खोसे, डॉ. रूबीना शेख, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुप्रिया पाठक, बी. एस. मिरगे, सहायक प्रोफेसर राजेश लेहकपुरे, शहनाज सिद्दीकी उपस्थित होते.

राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या वतीने ११ ते १५ मार्च दरम्यान उमरी मेघे येथे आयोजित शिबिराचा समारोप शंकर देवस्थानच्या सभामंडपात करण्यात आला. यावेळी शिबिरार्थी विद्यार्थ्यांच्या वतीने पदमा, मनीष, इम्तियाज अंसारी, नीलम, श्रीलेखा, सविता, दक्षम, जमिल अहमद तथा अनिल मिश्रा यांनी शिबिरात आलेले अनुभव व्यवत केले. प्रारंभी अक्षरा श्रीवास या मुलीने 'छोडो कल की बातें, कल की बात पुरानी...' गीत सादर केले.

कार्यक्रमात प्रो. मिश्र यांनी सांस्कृतिक कार्यक्रमांमध्ये कविता आणि नृत्य सादर करणाऱ्या उमरी येथील विद्यार्थ्यांना पुरस्कृत केले. कार्यक्रमाचे संचालन डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी यांनी केले तर आभार बी. एस. मिरगे यांनी मानले.

मंगळवार, दि. १७ मार्च २०१५

देशोन्नती

रासेयोच्या विद्यार्थ्यांचे श्रमदान, स्वच्छता अभियान

प्रतिनिधी / १६ मार्च

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाद्वारे उमरी (मेघे) येथे आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या पाच दिवसीय विशेष शिबिरात विद्यार्थ्यांनी विविध कार्यक्रम आणि उपक्रम हाती घेतले. कार्यक्रमामध्ये राष्ट्रीय सेवा योजनेचे स्वयंसेवक आणि उमरी येथील विद्यार्थी तसेच नागरिकांनी उत्साहाने सहभाग घेतला.

स्वयंसेवकांनी शंकर देवस्थान आणि उमरीतील मुख्य मार्गावर स्वच्छता अभियान हाती घेत उपक्रमाची सुरूवात केली. स्वच्छता अभियानानंतर विश्वविद्यालयाच्या नाट्यकला आणि फिल्म व अध्ययन विभागातील सहायक प्रोफेसर डॉ. सतीश पावडे यांनी निरक्षरता आणि जनजागृती या विषयावर मार्गदर्शन केले. स्वयंसेवकांना उद्देशून ते म्हणाले की, शिकत असताना आपल्या आसपासच्या लोकांना शिक्षणाच्या संधी आणि फायदे याविषयी माहिती दिली पाहिजे, जेणेकरून शैक्षणिकदृष्ट्या विद्यार्थी आणि नागरिक अधिक जागरूक होतील. यावेळी राष्ट्रीय सेवा योजनेचे संयोजक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे यांनीही समयोचित मार्गदर्शन केले. दुपारच्या सत्रात जिल्हा परिषद उच्च प्राथमिक शाळेत व्यक्तिमत्व विकास आणि आत्मरक्षा या विषयावर ज्यूडो कराटे प्रशिक्षक उल्हास वाघ यांनी स्वयंसेवकांना आत्मरक्षेबाबत मार्गदर्शन केले. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी मुख्याध्यापक कृष्णा देवकर होते.

शिबिरादरम्यान, राष्ट्रीय स्वयंसेवक योजनेचे विद्यार्थी विविध उपक्रम राबवित आहेत. कार्यक्रमाला शाळेतील विद्यार्थी, शिक्षकांसोबतच नागरिकांची उपस्थिती होती.

देशोन्नती
बुधवार, दि.१८ मार्च २०१५

थोडक्यात

वर्धा : प्रो. मिश्र आणि उपस्थितांनी ग्रामपयोगी विज्ञान केंद्राने तयार केलेल्या विविध मॉडेल आणि प्रकल्पांचे निरीक्षण केले यावेळी त्यांच्यासोबत अधिकारी उपस्थित होते.

कार्यक्रम...

कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांचे प्रतिपादन

तंत्रज्ञानाचा उपयोग ग्रामीण विकासासाठी व्हावा

प्रतिनिधी / १७ मार्च

वर्धा : ग्रामीण विकासाकरिता वर्धेतील ग्रामोपयोगी विज्ञान केंद्राने निर्माण केलेल्य तंत्रज्ञानाचा उपयोग झाला पाहिजे. हे तंत्रज्ञान लोकांपर्यंत पोहचण्यांसाठी त्याचा शालेय अभ्यासक्रमात समावेश करण्यायची आवश्यकता आहे असे प्रतिपादन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो. गिरीश्वोर मिश्र यांनी केले.

राष्ट्रीय विज्ञान दिनानिमित्ताने ग्रामपयोगी विज्ञान केंद्र, दत्तपूर येथे डॉ. देवेंद्र कुमार सभागृहात विविध संस्थांच्या सहभागाने आयोजित कार्यक्रमात ते बोलत होते.

यावेळी केंद्राचे अध्यक्ष भरत महोदय, उपाध्यदक्ष प्रो. निशिकांत मुखर्जी, सदस्य् अनिल फरसोले, जमनालाल बजाज फाउंडेशनचे प्रो. अशोक मेहरे, केंद्राचे कार्यकारी संचालक डॉ. सोहम पंड्या, रत्ना पंड्या, उमाशंकर भारती, आर. सी. प्रधान, विश्वविद्यालयाचे जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे आदींसह केंद्राचे पदाधिकारी प्रामुख्याने उपस्थित होते.

गिरीश्वर मिश्र पुढे म्हणाले की, विकासामुळे व्यक्तीची, गुणवत्ता वाढली पाहिजे. ग्रामपयोगी विज्ञान केंद्राने अनेक योजना तयार केल्या आहेत त्याचा फायदा ग्रामीण जनतेपर्यंत पोहचला तरच खऱ्या अर्थाने केंद्राच्या कायचि महत्व सर्वसामान्य लोकांना कळेल. कचरा आणि तत्सम वस्तूंपासून अनेक प्रकारच्या वस्तु आणि पदार्थ तयार करण्यासाठी केंद्राने तंत्रज्ञानाचा वापर केला आहे, याविषयी त्यांनी केंद्राची प्रशंसा केली. या तंत्रज्ञानाच्यां प्रचार आणि प्रसारासाठी विश्वुविद्यालय पाहिजे ती मदत करेल असे आश्वांसन प्रो. मिश्र यांनी केंद्राच्या पदाधिकारी आणि कार्यकर्त्यंना दिले.

भरत महोदय यांनी कुलगुरु प्रो. मिश्र यांचे स्वागत केले. ते म्हणाले, वर्धेतील अनेक संस्था राष्ट्रीय पातळीवर काम करत आहेत. अशा संस्थांनी एकत्र येवून ग्रामीण भागाच्या विकासासाठी काम केले पाहिजे. यावेळी आर. सी. प्रधान, प्रो. निशिकांत मुखर्जी, अनिल फरसोले, प्रा. अशोक मेहरे, केंद्राचे संचालक सुधीर पारगांवकर, कार्यकारी संचालक डॉ. सोहम पंडया यांनीही समयोचित विचार व्यव्यक केले.

यावेळी प्रो. मिश्र आणि उपस्थितांनी ग्रामपयोगी विज्ञान केंद्राने तयार केलेल्या विविध मॉडेल आणि प्रकल्पांचे निरीक्षण केले. केंद्राच्या प्रकल्पांची माहिती रत्ना पंड्या, शिलाताई आगलावे, धनंजय भट, दिनकर काळे, अंबादास कोंबे, विवेक सोनटक्के , अर्चना परसोडकर, अशोक पाठे, सुनील रघाटाटे यांनी दिली.

कार्यक्रमाचे संचालन डॉ. सोहम पंड्या यांनी केले तर आभार अशोक पाठे यांनी मानले.

यावेळी शहरातील गणमान्य नागरिकांची मोठ्याप्रमाणात उपस्थिती होती

देशोन्नती
वर्धा
गुरुवार दि. १९ मार्च २०१५

थोडक्यात

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाद्वारे उमरी (मेघे) येथे आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या पाच दिवसीय विशेष शिबिरात विद्यार्थ्यांनी विविध कार्यक्रम आणि उपक्रम हाती घेतले. कार्यक्रमामध्ये राष्ट्रीय सेवा योजनेचे स्वयंसेवक आणि उमरी येथील विद्यार्थी तसेच नागरिकांनी उत्साहाने सहभाग घेतला.

शुक्रवार दि.२० मार्च २०१५

चमत्काराला कोणताही वैज्ञानिक आधार नाही :तिगावकर

राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या विशेष शिबिरात 'अंधश्रद्धा आणि वैज्ञानिक दृष्टिकोण' विषयावर व्याख्यान

प्रतिनिधी / १९ मार्च

वर्धा : विज्ञान चिकित्से वर आधारित असते आणि चमत्का राला कोणताही वैज्ञानिक आधार नाही. लोकांच्या मानसिकतेचा फायदा घेत समाजात अंधश्रद्धा पसरविली जाते. भ्रम आणि आभास यांच्यात माध्यामातून भूत या संकल्पेचा प्रसार करून लोकांना ठगविण्याचे काम केले जाते. असे मत महाराष्ट्रध अंधश्रद्धा निर्मूलन समितीचे कार्यकर्ते आणि दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थेचे जनसंपर्क अधिकारी संजय इंगळे तिगावकर यांनी व्यक्त केले.

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालयातील राष्ट्री य सेवा योजनेच्याा वतीने उमरी मेघे येथे आयोजित विशेष शिबिरात 'अंधश्रद्धा आणि वैज्ञानिक दृष्टिकोण' या विषयावर ते बोलत होते.

उमरी मेघे येथे ११ ते १५ मार्च या काळात हे विशेष शिबिर घेण्यात आले.

श्री शंकर देवस्थानच्या सभामंडपात तिगावकर यांनी विविध प्रयोगांच्या माध्यममातून अंधश्रद्धा कशी पसरविली जाते हे पटवून दिले. ते म्हणाले की टीव्ही आणि सिनेमातूनही भूतासारख्या अस्तित्वहीन संकल्पनेला खतपाणी घातले जाते, वास्त विक जगाच्यास पाठीवर भूत ही संकल्पखनाच अस्तित्वालत नसून त्योचा बागुलबुवा उभा करून समाजाला नाडवण्या त येते. समाजात जागृती निर्माण करण्यातसाठी मागील तीन दशकांपासून अंधश्रद्धा निर्मूलन समिती कार्य करत असून लोकांनी कोणत्या ही प्रकारच्या अंधश्रद्धेला बळी पडू नये असे आवाहन

समितीच्याम लोकाभिमूख कार्यक्रमांमधून करण्यारत येत असते असेही ते म्हणाले.

डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी यांनी केले तर आभार कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे यांनी मानले. व्याचख्यासनाला शिबिरार्थी मोठया संख्येआने हजर होते.

देशोन्नती
शुक्रवार, दि.२७ मार्च २०१५

तीन दिवसीय राष्ट्रीय चर्चासत्र

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय येथील शिक्षण आणि मनोविज्ञान विभाग तसेच भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नवी दिल्ली यांच्या संयुक्त वतीने २८ ते ३० मार्च रोजी राष्ट्रीय चर्चासत्राचे आयोजन करण्यात आले आहे.

शिक्षण विभागाच्या वतीने 'शिक्षण, शिकणे आणि जाणीवेच्या दृष्टीत बदल' या विषयावर तर मनोविज्ञान विभागाच्या वतीने 'आधुनिक जीवनात मूल्य संकट : समाज शास्त्री य परिदृश्य आणि हस्तक्षेप' या विषयावर आयोजित तीन दिवसीय चर्चासत्राचे उद्घाटन २८ मार्चला होणार आहे. यात सुंदरलाल वर्मा मुक्त विद्यापीठ बिलासपूरचे प्रो. वंश गोपाल सिंह, एनसीईआरटी, नवी दिल्लीचे निदेशक प्रो. बी. के. त्रिपाठी, दिलीप विद्यापीठातील आंतरराष्ट्रीय संबंध विभागाचे अधिष्ठाता प्रो. आनंद प्रकाश, दिल्ली विद्यापीठातील महिला अध्ययन व विकास विभागाच्या निदेशक प्रो. भारती बावेजा, बरकतुल्लाप विद्यापीठ भोपाळचे प्रो. कैलाशनाथ त्रिपाठी, आयआयटी कानपूरचे प्रो. लीलावती कृष्णान मुख्य, वक्ता म्हणून विद्यार्थ्यांना मार्गदर्शन करणार आहेत. अध्यक्षस्थानी कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र राहतील.

संगोष्ठी समन्वयक व आयोजन सचिव तथा शिक्षण विभागाचे अधिष्ठाता प्रो. अरविंद कुमार झा यांनी चर्चासत्राविषयी सांगितले की चर्चासत्रात शिक्षण आणि मनोविज्ञानाशी संबंधित विविध विषयांवर शोधनिबंध सादर करण्यात येणार आहे. लेख आणि शोधनिबंध एक पुस्तक रूपाने प्रकाशित करण्यात येईल. अधिक माहितीकरिता ऋषभ कुमार मिश्र, निधी गौर, धर्मेंद्र शंभरकर, डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी तथा डॉ. अरुण प्रताप सिंह यांच्याशी संपर्क साधावा असे आवाहन विद्यापीठाच्यावतीने करण्यात आले आहे.

देशोन्नती
रविवार, दि. २९ मार्च २०१५

(13)

शिक्षण मूल्यगर्भित प्रक्रिया होय : कुलगुरू मिश्र

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात तीन दिवसीय राष्ट्रीय चर्चासत्राचे उदघाटन

प्रतिनिधी / २८ मार्च

वर्धा : शिक्षण ही एक मूल्य गर्भित प्रक्रिया आहे. शिक्षणातून आम्हाला पर्यायी दृष्टी आणि विवेक मिळतो. समाजात मूल्य रूजविण्यासाठी शिक्षण एक प्रभावी माध्यम झाले पाहिजे,असे मत महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धाचे कुलगुरु प्रा. गिरीश्वर मिश्र यांनी मांडले. ते विश्वविद्यालयात शिक्षण आणि मनोविज्ञान विभाग तसेच भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नवी दिल्ली यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित राष्ट्रीय चर्चासत्राच्या उदघाटन प्रसंगी बोलत होते.

शिक्षण विभागाच्यावतीने 'शिक्षण, शिकणे आणि जाणीवेच्या दृष्टीत बदल'या विषयावर तर मनोविज्ञान विभागाच्यावतीने 'आधुनिक जीवनात मूल्य संकट समाज शास्त्री य परिदृश्य आणि हस्तक्षेप' या विषयावर आयोजित तीन दिवसीय (दि. २८ से ३० मार्च) चर्चासत्राचे उदघाटन शनिवारी हबीब तनवीर सभागृहात झाले. यावेळी एनसीईआरटी, दिल्लीचे निदेशक बी. के. त्रिपाठी, दिल्लीन विश्वविद्यालयातील महिला अध्ययन व विकास विभागाच्या निदेशक प्रा. भारती बावेजा, दिल्ली विश्वविद्यालयातील आंतरराष्ट्रीय संबंध विभागाचे अधिष्ठाता प्रा. आनंद प्रकाश, दिल्ली विश्वविद्यालयातील राज्यशास्त्र विभागाचे प्रा. प्रकाश नारायण, शिक्षण विभागाचे अधिष्ठाता प्रा. अरबिंद कुमार झा मंचावर उपस्थित होते.

चर्चासत्रात महाराष्ट्र ,हरियाणा, छत्तीसगढ, बिहार, आंध्रप्रदेश तथा तेलंगाना या राज्यातील प्रतिनिधी उपस्थित होते.

अध्यक्षीय भाषणात प्रा. गिरीश्वर मिश्र म्हणाले की,आज मूल्य शिक्षणाचा विषय प्रत्येक व्यासपीठावर चर्चीला जात आहे. शिक्षण हे एक स्विकृत मूल्य आहे. शिक्षणाच्या संस्थानीकरणावर ते म्हणाले की, यामुळे शिक्षणाचे मोठे नुकसान होत असून विद्यार्थ्यांना एका साच्यात टाकून तयार करण्याचे काम होत आहे. ते म्हणाले की, शिक्षणाला समाजाशी जोडले तरच शिक्षणातून अपेक्षीत ध्येय प्राप्त केले जावू शकतात.बीज भाषणात प्रा. भारती बावेजा यांनी मार्गदर्शन केले.उदघाटन कार्यक्रमाचा समारोप राष्ट्रगीताने झाला. संचालन शिक्षण विभागाचे सहायक प्रोफेसर ऋषभ मिश्र यांनी केले तर आभार मनोविज्ञान विभागाचे अरूण प्रताप सिंह यांनी मानले.

देशोन्नती
मंगळवार दि. ३१ मार्च २०१५

बुद्धिष्ट रिसर्च सेंटर युनिटद्वारा सम्राट अशोक मौर्य यांची जयंती

प्रतिनिधी / ३० मार्च

वर्धा : बि.आर.सी.युनिट द्वारा बोधीसत्व सम्राट अशोक मौर्य यांची जयंती डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर पुतळा परिसरा जवळ साजरी करण्यात आली.

कार्यक्रमाचे अध्यक्षस्थानी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय येथील बौद्ध अध्ययन विभाग प्रमुख डॉ.सुरजित सिंह उपस्थित होते अतिथी म्हणून आदिवासी युवा आंबेडकरी लेखत तथा विचारक डॉ.सुनिलकुमार सुमन तसेच रविंद्र जिंदे, बामसेफ जिल्हा संयोजक अरविंद्र खैरकार, लॉर्ड बुद्धा चॅनलचे जिल्हा प्रतिनिधी प्रा.प्रविण बानखेडे, अँड् अविनाश मगत, सुरेश कांबळे, तथा मेजर ढोबळे यांची उपस्थित होती.

यावेळी उपस्थितीत बी.आर.युवा युनिअ द्वारा ढोबळे मेजर यांच्या मार्गदर्शन सम्राट अशोक मौर्य यांना गॉड ऑफ ऑनर मानवंदना देण्यात आली.यानंतर प्रमुख पाहुण्याचे हस्ते सम्राटअशोक मौर्य यांच्या प्रतिमेचे पुजन करुन दिपप्रज्वलन करण्यात आले.

यावेळी रविंद्र जिंदे यांनी आपल्या मार्गदर्शनात भारतीय संविधानाचा सम्राट अशोक मौर्य यांच्या कार्यकाळा सोबत कसा संबंध जुळतो, यावर विचार मांडले. तसेच डॉ.सुनिलकुमार सुमन यांनी आजचा काळ आणि सम्राट अशोकाची विरासत यावर मार्गदर्शन केले.

अध्यक्षीय भाषणात डॉ.सुरजित सिंह यांनी सम्राट अशोक आणि त्यांच्या लोककल्याणकारी शासनाविषयी माहिती दिली, ते म्हणाले की, शत्रु सैनिकांचे मृतदेह बघुन दु:खी होणारे व ते दु:ख शिलालेखाद्वारे व्यक्त करणारा एकमेव सम्राट अशोक मौर्य होय. अशोक मौर्य यांचे चक्र राष्ट्रध्वज वर विराजमान असून चार सिंहमुखी अशोकस्तंभ भारतीय राजमुद्रेचे प्रतिक आहे.

मानवंदनाचे संचालन प्रशिल पानबुडे यांनी केले तर प्रास्ताविक आशिष बेले यांनी मांडले. कार्यक्रमाचे सुत्र संचालन पंकज सातपुडके तर आभार प्रदर्शन रवी कुंभारे यांनी केले.

कार्यक्रमाचे यशस्वीतेकरीता चंद्रशेखर मडावी, आशिष सोनटक्के, नितीन निमरद,अमोल ओंकार, शरद मवन, राम येघरे, अनिल उईके, नयन झामरे, अजय कांबळे,अजीत करवाडे, प्रणित मानकर आणि असीत माटे आदींनी परिश्रम घेतले.

देशोन्नती
रविवार दि. १ मार्च २०१५

दिल्लीतील जवाहरलाल नेहरू विद्यापीठात

हिंदी विश्वविद्यालयाचा नाट्य प्रयोग

प्रतिनिधी/ २८ फेब्रुवारी

वर्धा :महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील नाट्यकला व फिल्म अध्ययन विभागातील विद्यार्थ्यांनी बसविलेल्या भिकारी ठाकूर यांच्या 'गबरघिचोर' या नाटकाचा प्रयोग नुकताच दिल्ली व येथील जवाहरलाल नेहरू विद्यापीठात सादर करण्यात आला.

नाट्यकला विभागाचे अध्यक्ष प्रा. सुरेश शर्मा यांच्या मार्गदर्शनात डॉ. सतीश पावडे यांनी या नाटकाची निर्मिती केली असून निर्देशन विभागाचा माजी विद्यार्थी, जे.एन.यू. चा रिसर्च फेलो जैनेंद्र कुमार दोस्त यांनी केले. नाटकाला संगीत भिकारी ठाकुरचे नातू प्रभुनाथ ठाकुर यांनी दिले.

या नाटकात विभागाचे विद्यार्थी रवींद्र मुंढे, रोहित कुमार, श्वेता क्षीरसागर., अनन्या नामदेव, विवेक कुमार, सौरभ कुमार गुप्ता, अभिलाषा सिंह सेंगर यांनी भूमिका सादर केल्या. रंगमंच सज्जा, वस्त्र सज्जा, प्रकाश संयोजन इत्यादींची व्यिवस्थाभही याच विद्यार्थ्यांनी सांभाळली. दिल्ली ते हे नाटक भिकारी ठाकूर रेपेट्री या संस्थेने जे.एन.यू.च्या आर्ट एंड अस्थेटीक्स विभागाच्या सौजन्याने सादर केले. या नाटकाला दिल्लीकर आणि जेएनयूच्या विद्यार्थ्यांनी भरभरून दाद दिली.